नीलाम्बर–पीताम्बर विश्वविद्यालय

मेदिनीनगर, पलामू, झारखण्ड

कुलगीत

जयतु नीलाम्बर–पीताम्बर,
विश्वविद्यालय महान।
अवनि और अम्बर में गूंजे
नित तुम्हारा गान।।
सभ्यता, संस्कृति, कला,
साहित्य, मधुरिम तान।
ज्ञान और विज्ञान का,
नव शोध अनुसंधान।।
जयतु नीलाम्बर–पीताम्बर
विश्वविद्यालय महान,
अवनि और अम्बर में गूंजे
नित तुम्हारा गान।।
मंदिरों का गढ़ है गढ़वा
रम्य प्रकृति लातेहार
है पलामू पुण्य भूमि,
पलाश पावनहार।।
जयतु नीलाम्बर–पीताम्बर,
विश्वविद्यालय महान।
अवनि और अम्बर में गूंजे,
नित तुम्हारा गान।।
इस धरा में मुक्ति का,
स्वर्णिम बसा इतिहास।
न्याय की प्रतिमूर्ति राजा,
मेदिनी महान।।
जयतु नीलाम्बर–पीताम्बर
विश्वविद्यालय महान।
अवनि और अम्बर में गूंजे,
नित तुम्हारा गान।।
लोक की आभा मधुर
वन जीव विविध वितान।
सृजन की सरिता बहे नित,
ज्योतिपुंज समान।।
जयतु नीलाम्बर–पीताम्बर
विश्वविद्यालय महान,
अवनि और अम्बर में गूंजे,
नित तुम्हारा गान।।
कर्मवीरों की धरा यह
ज्ञान की जलती मशाल,
मुक्ति और संघर्ष की यह
दिव्य भूमि महान।।
जयतु नीलाम्बर–पीताम्बर,
विश्वविद्यालय महान,
अवनि और अम्बर में गूंजे,
नित तुम्हारा गान।।

कुलगीत लेखक– प्रो. प्रभाकर सिंह
हिन्दी विभाग, काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी